**भारत सरकार**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग**

**लोक सभा**
**तारांकित प्रश्न संख्या: *193**
**12 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

**प्रयागराज में एम्स की स्थापना**

***193. श्री उज्ज्वल रमण सिंहः**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना करने का है;
(ख) यदि हां, तो इसकी स्थापना कब तक किए जाने की संभावना है; और
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**<u>उत्तर</u>**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री**
**(श्री जगत प्रकाश नड्डा)**

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

**दिनांक 12.12.2025 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 193 के उत्तर में संदर्भित विवरण**

*****

(क) से (ग): प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत, उत्तर प्रदेश के रायबरेली और गोरखपुर सहित देश के विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आदिनांक 22 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना के लिए मंजूरी दी गई है। दोनों संस्थान कार्यशील हैं।

पीएमएसएसवाई योजना के एक अन्य घटक के तहत, उत्तर प्रदेश राज्य में, केंद्र-राज्य लागत साझाकरण के आधार पर 11 सरकारी मेडिकल कॉलेजों (जीएमसी) के उन्नयन का कार्य सुपर-स्पेशियलिटी सुविधाकेंद्रों की स्थापना के माध्यम से शुरू किया गया है, जिसमें मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज भी शामिल है। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज का उन्नयन, 7 ऑपरेशन थिएटर और 8 विभाग अर्थात् कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस), न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, एंडोक्रिनोलॉजी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के साथ 233 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक को 150 करोड़ रुपये की लागत (केंद्रीय हिस्सा 120 करोड़ रुपये और राज्य का हिस्सा 30 करोड़ रुपये) से अनुमोदित किया गया है। पीएमएसएसवाई के तहत, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक नए एम्स की स्थापना हेतु कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****